भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
राजस्व विभाग
**लोक सभा**
**अतारांकित प्रश्न सं. 60**

जिसका उत्तर सोमवार, दिनांक 20 जुलाई, 2026/29 आषाढ़, 1948 (शक) को दिया जाना है

**आयकर ई-फाइलिंग टैक्स पोर्टल पर तकनीकी गड़बड़ियां**

60. **श्री श्यामकुमार दौलत बर्वेः**

क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार आयकर के ई-फाइलिंग पोर्टल पर लगातार आ रही तकनीकी गड़बड़ियों, डेटा प्रोसेसिंग त्रुटियों और सिस्टेमिक लॉगिन विफलताओं से अवगत है, जिसके कारण करदाताओं को व्यापक व्यवधानों का सामना करना पड़ रहा है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) इन बुनियादी ढांचागत कमियों को दूर करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए विशिष्ट तकनीकी या संरचनात्मक सुधारात्मक कदमों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) लंबे समय तक कार्य न करने और परिचालन संबंधी चूकों के लिए दोषी सेवा प्रदाता (इन्फोसिस) के खिलाफ शुरू किए गए संविदात्मक जवाबदेही उपायों या वित्तीय जुर्माने, यदि कोई हों, का ब्यौरा क्या है?

**उत्तर:**
**वित्त राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)**

**(क)** केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) का 'ई-फाइलिंग पोर्टल' एक उच्च-क्षमता वाला डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जो करोड़ों भारतीय करदाताओं को सेवा प्रदान करता है, और आमतौर पर वैधानिक नियत तिथियों से पहले के दिनों में इसका उपयोग तेजी से बढ़ जाता है। आयकर पोर्टल पर वर्षों से लगातार भार बढ़ता जा रहा है, जो कि पिछले एक सप्ताह (8-14 जुलाई 2026) और 2025 की इसी अवधि (8-14 जुलाई) के दौरान आयकर पोर्टल पर कुछ महत्वपूर्ण गतिविधियों के निम्नलिखित आंकड़ों से स्पष्ट है:

| विवरण | वर्ष | 8 जुलाई | 9 जुलाई | 10 जुलाई | 11 जुलाई | 12 जुलाई | 13 जुलाई | 14 जुलाई |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करना | 2025 | 4,26,961 | 4,16,372 | 3,18,977 | 3,99,908 | 4,12,477 | 3,19,612 | 4,09,437 |
| | 2026 | 8,38,724 | 8,96,425 | 10,41,223 | 10,87,871 | 8,07,279 | 11,66,813 | 12,21,854 |
| पोर्टल पर की गई लॉगिन्स की संख्या | 2025 | 49,95,612 | 47,00,390 | 42,36,427 | 47,30,786 | 44,77,601 | 28,94,828 | 67,66,821 |
| | 2026 | 80,79,749 | 78,39,320 | 87,14,448 | 82,31,866 | 47,61,546 | 94,71,428 | 98,86,619 |
| चालान जनरेशन | 2025 | 2,01,087 | 1,47,170 | 1,22,679 | 1,32,116 | 97,934 | 52,056 | 1,43,143 |
| | 2026 | 2,59,965 | 2,06,495 | 1,97,990 | 1,95,052 | 1,32,197 | 2,59,925 | 2,69,126 |
| 26एएस दृश्य/डाउन लोड | 2025 | 27,78,157 | 26,11,665 | 21,05,931 | 22,09,775 | 20,61,015 | 14,14,389 | 23,57,294 |
| | 2026 | 40,51,958 | 34,23,544 | 37,95,070 | 44,38,468 | 42,56,004 | 25,54,745 | 47,26,004 |
| आयकर पोर्टल के माध्यम से की गई उपरोक्त गतिविधियों की कुल संख्या | **2025** | **82,00,730** | **77,28,427** | **66,61,335** | **73,40,469** | **69,51,093** | **46,28,829** | **95,33,552** |
| | **2026** | **1,32,30,396** | **1,23,65,784** | **1,37,48,731** | **1,39,53,257** | **99,57,026** | **1,34,52,911** | **1,61,03,603** |

फाइलिंग की व्यस्ततम अवधि के दौरान एक साथ अधिक संख्या में लोगों के आने-जाने को देखते हुए, कुछ करदाताओं को कभी-कभी क्षणिक तकनीकी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, जैसे कि पेज की धीमी प्रतिक्रिया या व्यस्त समय के दौरान रुक-रुक कर होने वाली देरी।

हालांकि, लोड में भारी वृद्धि के बावजूद, ई-फाइलिंग पोर्टल मौजूदा व्यस्त समय में काफी हद तक स्थिर और कुशल तरीके से काम कर रहा है। इसके प्रदर्शन की निरंतर निगरानी एक समर्पित दैनिक/घंटेवार निगरानी डैशबोर्ड के माध्यम से की जा रही है, जो लॉगिन, दाखिल किए गए आयकर रिटर्न (आईटीआर), वार्षिक सूचना विवरण (एआईएस)/अनुपालन पोर्टल रीडायरेक्शन, भुगतान गेटवे की स्थिति, त्रुटि कोड और अन्य परिचालन संकेतकों को ट्रैक करता है। रिपोर्ट की गई किसी भी तकनीकी समस्या की समयबद्ध पहचान, समाधान और निवारण किया जाता है।

**(ख)** सीबीडीटी ने व्यस्त फाइलिंग अवधि से पहले ई-फाइलिंग पोर्टल के बुनियादी ढांचे को और मजबूत करने के लिए कई तकनीकी और संरचनात्मक सुधारात्मक उपाय किए हैं, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं

(i) ई-फाइलिंग इकोसिस्टम को व्यापक रूप से मजबूत किया गया है और पीक फाइलिंग वॉल्यूम को सपोर्ट करने के लिए परफॉर्मेंस-टेस्ट किया गया है, जिसमें प्रति दिन 1 करोड़ आईटीआर तक संभालने की मान्य क्षमता है, जो अनुमानित पीक डिमांड से परे पर्याप्त गुंजाइश सुनिश्चित करती है।

(ii) कंप्यूट से लेकर, स्टोरेज, मेमोरी, नेटवर्क और बैंडविड्थ तक में बुनियादी ढांचे की क्षमता में वृद्धि की गई है। समग्र सिस्टम स्थिरता, लचीलापन और इनपुट/आउटपुट प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए स्टोरेज संवर्धन के साथ-साथ मूल उपकरण निर्माता (OEM) द्वारा अनुशंसित हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर अपग्रेड का काम किया गया है।

(iii) पिछले आईटीआर दाखिल करने के सत्रों के दौरान पता चली अवसंरचना संबंधी प्रमुख समस्याओं का समाधान कर दिया गया है।

(iv) एक मजबूत निगरानी और शासन ढांचा स्थापित किया गया है, जिसमें अन्य बातों के अलावा, 24×7 बुनियादी ढांचे की निगरानी, एक समर्पित वॉररूम और एप्लिकेशन, बुनियादी ढांचे, डेटाबेस, नेटवर्क, सुरक्षा, विक्रेता और हितधारक टीमों की समन्वित भागीदारी शामिल है ताकि सक्रिय निगरानी और त्वरित घटना समाधान को सक्षम बनाया जा सके।

(v) सुरक्षा अवसंरचना को नवीनतम फ़ायरवॉल संस्करणों के साथ उन्नत किया गया है, वितरित डेनियल-ऑफ़-सर्विस (डीडीओएस) हमले और बॉट हमले के लिए रोकथाम तंत्र को बढ़ाया गया है, और व्यस्त फाइलिंग अवधि के दौरान साइबर खतरों से सुरक्षा बढ़ाने के लिए इंटरनेट सेवा प्रदाताओं (आईएसपी) के साथ बेहतर समन्वय किया गया है।

(vi) यूआईडीएआई, बैंकों, आरबीआई, सीडीएसएल, एनएसडीएल, आईसीएआई, ईआरआई और संबंधित आंतरिक वर्टिकल सहित प्रमुख बाहरी हितधारकों के साथ समन्वित तैयारी के माध्यम से एंड-टू-एंड परिचालन तत्परता को मजबूत किया गया है, जो संरचित शासन, वृद्धि तंत्र और निरंतर तत्परता समीक्षाओं द्वारा समर्थित है ताकि आईटीआर दाखिल करने के मौसम के दौरान निर्बाध सेवा वितरण सुनिश्चित किया जा सके।

सिस्टम के प्रदर्शन की तात्क्षणिक समय के आधार पर समीक्षा एक सतत प्रक्रिया है, और सरकार करदाताओं के सहज अनुभव के लिए प्रतिबद्ध है।

**(ग)** इस संदर्भ में संविदात्मक शर्तों के अनुसार संबंधित प्रबंधित सेवा प्रदाता (एमएसपी) पर लगाए जाने वाले दंड निम्नानुसार हैं:

(i) मूल कार्यक्रम के अनुसार, एमएसपी को करदाताओं के उपयोग के लिए आईईसी 2.0 परियोजना (ई-फाइलिंग पोर्टल आईईसी 2.0 परियोजना का हिस्सा है, अर्थात् 'एकीकृत ई-फाइलिंग और केंद्रीकृत प्रसंस्करण केंद्र 2.0' परियोजना) को जुलाई 2020 में लागू करना था, लेकिन एमएसपी समय पर परियोजना को पूरा नहीं कर सका। अतः, एमएसपी पर 'लिक्विडेटेड डैमेजेस' के रूप में जुर्माना लगाया गया।

(ii) आईईसी 2.0 के एमएसपी के कार्य का मुख्य रूप से सेवा स्तर स्कोर के माध्यम से मूल्यांकन किया जाता है, जिसमें दीर्घकालिक निष्क्रियता और परिचालन संबंधी खामियां भी आती हैं। सेवा स्तर स्कोर का मापन त्रैमासिक आधार पर किया जाता है, और एमएसपी पर 12 तिमाहियों तक निम्न प्रदर्शन स्कोर के लिए जुर्माना लगाया गया है।

(iii) अनुबंध के प्रासंगिक प्रावधानों के अनुसार, एमएसपी को ई-फाइलिंग पोर्टल के अनुप्रयोग प्रदर्शन स्तर को विशेष रूप से व्यस्त फाइलिंग अवधि के दौरान बनाए रखने और अनुप्रयोग अवरोधों से बचने के लिए सभी प्रयास करने होंगे, वित्तीय वर्ष 2025-26 में ई-फाइलिंग सेवाओं में व्यस्त अवधि के दौरान अनुप्रयोग अवरोधों के लिए एमएसपी पर जुर्माना लगाया गया है।

(iv) यदि आयकर दाखिल करने की नियत तिथि या कोई अन्य पूर्व-अधिसूचित तिथि एमएसपी से संबंधित किसी कारणवश बढ़ जाती है, तो एमएसपी पर जुर्माना लगाया जा सकता है। इस आधार पर वित्तीय वर्ष 2025-26 में एमएसपी पर जुर्माना भी लगाया गया है।

*****